दै. स्वदेश, भोपाल
13 JAN 2010

मुख्यमंत्री की पहल का हुआ व्यापक स्वागत

खेल मंत्री की अक्षमता उजागर : असलम

भोपाल: बकाया वेतन-भत्तों की मांग को लेकर राष्ट्रीय हॉकी टीम के खिलाड़ियों के द्वारा पुणे में प्रशिक्षण शिविर का बहिष्कार करने के बाद उठे विवाद के बीच पूर्व केंद्रीय मंत्री असलम शेर खान ने आज कहा कि इस संपूर्ण मामले में केंद्रीय खेल मंत्री एमएस गिल की अक्षमता और विफलता उजागर हुयी है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व ओलम्पियन खान ने कहा कि हॉकी खिलाड़ियों की मांगें पूरी तरह जायज हैं और उन्होंने अचानक ही बहिष्कार जैसा इतना बड़ा कदम नहीं उठाया है। खिलाड़ियों ने बाकायदा खेल मंत्री और संबंधित संगठनों को पत्र लिखे। सभी प्रयास विफल होने के बाद उन्हें इस तरह का कड़ा और अप्रिय कदम उठाना पड़ा। खेल मंत्री खिलाड़ियों की भावनाओं और पीड़ा को नहीं समझ पाए। राष्ट्रीय टीम के हॉकी खिलाड़ियों के लिए मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की ओर से गई आर्थिक मदद की पहल का स्वागत करते हुए खान ने उम्मीद जतायी कि इस पर जल्दी ही अमल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी घोषणा के बाद यदि हॉकी टीम के खिलाड़ियों को राज्य की ओर से आर्थिक मदद नहीं मिल पायी तो इसे राज्य सरकार की मौकापरस्ती ही कहा जाएगा।

❑ मुख्यमंत्री की पहल को बताया एक बहुत बड़ा कदम

खान ने कहा कि श्री चौहान ने आर्थिक मदद की घोषणा कर न सिर्फ मध्यप्रदेश बल्कि पूरे देश के हॉकी खिलाड़ियों को सकारात्मक संदेश दिया है। उन्होंने कहा, जो काम खेल मंत्री को करना चाहिए था, वह मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री ने किया। खान ने तीखे तेवर दिखाते हुए कहा कि जब केंद्र सरकार दिल्ली में होने वाले कॉमनवैल्थ खेलों के लिए पांच सौ करोड़ रुपए का प्रावधान कर सकती है, तो हॉकी खिलाड़ियों के लगभग एक वर्ष की अवधि के बकाया का भुगतान क्यों नहीं किया जाता। उनका अनुमान है कि खिलाड़ियों की बकाया राशि बहुत अधिक नहीं होगा। इस बात को संभवत: खेल मंत्री समझ नहीं पाए। उन्होंने बताया कि वर्ष 1975 में भी हॉकी विश्व कप के समय इसी तरह का विवाद हुआ था और तब पंजाब की तत्कालीन राज्य सरकार ने आर्थिक मदद मुहैया करायी थी।

एक अन्य पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी और ओलम्पिक में हिस्सा ले चुके जलालुद्दीन ने भी कहा कि श्री चौहान ने बेहतर पहल की है। इससे सभी हॉकी खिलाड़ियों में अच्छा संदेश गया है। उन्होंने कहा कि अब राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों को आर्थिक मदद के संबंध में राज्य सरकार के अधिकारियों से चर्चा कर तत्काल विश्व कप की तैयारी के लिए मैदान पर आ जाना चाहिए। जलालुद्दीन ने कहा कि हॉकी खिलाड़ियों को आर्थिक मदद की घोषणा मुख्यमंत्री ने की है, इसलिए खिलाड़ियों को इसको लेकर कोई संशय नहीं पालना चाहिए। भोपाल की जमीन से ही ओलम्पिक खेलों तक का सफर करने वाले एक अन्य हॉकी खिलाड़ी समीर दाद ने मध्यप्रदेश सरकार की घोषणा से निश्चित ही हॉकी खिलाड़ियों को बल मिला होगा। अब उन्हें जल्दी ही राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर का बहिष्कार समाप्त कर देना चाहिए। श्री चौहान ने कल रात यहां खेल विभाग की गतिविधियों की समीक्षा के दौरान कहा था कि राष्ट्रीय हॉकी टीम के खिलाड़ियों के आर्थिक हितों की चिंता राज्य सरकार करेगी। उन्होंने कहा था कि खिलाड़ी अपने खेल पर ध्यान दें और देश के लिए खेलें।